'दुनिया में हर दसवें सैकेंड एक मौत शराब सेवन के कारण हो रही है'

डब्ल्यु.एच.ओ. ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि, अमेरिका जैसे कई विकसित देशों में भी शराब कंपनियां सोशल मीडिया व अन्य तरीके से धड़ल्ले से शराब का प्रचार कर रही हैं

नई दिल्ली / जेनेवा, 10 मई (वार्ता)। वल्ड हैल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यु.एच.आ.) ने अल्कोहल नियंत्रण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग पर बल देते हुए कहा है कि शराब पीने से हर 10 सेकंड में एक व्यक्ति की मौत हो रही है और संबंधित कंपनियां युवाओं तथा नशे के आदी लोगों को निशाना बना रही हैं।

शराब की बाजार तकनीकों पर जारी एक नयी रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि दुनिया भर में, हर साल 30 लाख लोग शराब के हानिकारक उपयोग के परिणामस्वरूप मर जाते हैं। हर 10 सेकंड में एक व्यक्ति की मौत शराब का सेवन करने से हो रही है। दुनिया भर में हर साल कुल मौतों में से पांच प्रतिशत मौत अल्कोहल का सेवन करने से होती हैं। रिपोर्ट के अनुसार अल्कोहल से संबंधित मौतों में युवाओं का अनुपात 13.5 प्रतिशत है। इनकी आयु 20-39 वर्ष के बीच है। ये मौतें कैंसर, लीवर तथा अन्य शारीरिक जटिलताओं और सड़क दुघर्टना से होती हैं। डब्यू.एच.ओ. ने कहा है कि अल्कोहल की ऑनलाइन मार्केटिंग तकनीकों के प्रभावी विनियमन की आवश्यकता है। शराब की ऑनलाइन मार्केटिंग युवा लोगों और अधिक शराब पीने वालों को लक्षित करती है, जो अक्सर उनके स्वास्थ्य की हानिकारक होता है। अल्कोहल के सेवन के नियंत्रण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग पर बल देते हुए डब्यू.एच.ओ. ने कहा है कि शराब की डिजिटल मार्केटिंग सीमा पार से होती है।

- **डब्ल्यु.एच.ओ. के अनुसार ऐसा नहीं है कि, सिर्फ उम्रदराज लोग ही शराब सेवन के दुष्प्रभावों का शिकार हो रहे हैं, कुल मौतों में से 13.5 प्रतिशत मौतें 20 से 39 साल के आयुवर्ग के लोगों की होती हैं।**

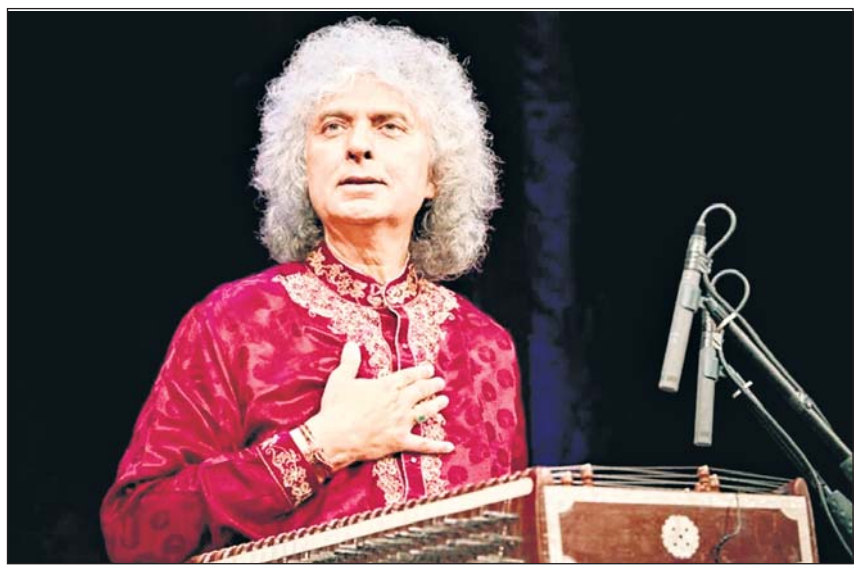

प्रख्यात संतूर वादक और पद्म विभूषण से सम्मानित पंडित शिवकुमार शर्मा का मंगलवार को मुंबई में निधन हो गया, वे 84 साल के थे। वर्ष 1955 में, मुम्बई पंडित शिव कुमार शर्मा ने संतूर पर शास्त्रीय संगीत बजाया था, और ऐसा करने वाले वे पहले भारतीय थे। उन्होंने संतूर को भारतीय शास्त्रीय वाद्य बनाने में अहम योगदान दिया। उन्हें वर्ष 1986 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और 1991 में पद्मश्री तथा 2001 में पद्म विभूषण सम्मान दिया गया। पंडित शर्मा का पहला एकल एल्बम 1960 में आया। उनके फिल्मी करियर की शुरुआत 1955 में वी शांताराम की हिन्दी फ़िल्म झनक-झनक पायल बाजे में बैंक ग्राउण्ड म्यूज़िक देने के साथ हुई, पर बहुत कम लोग जानते हैं कि वे तबला भी बजाते थे और गाइड फिल्म के शास्त्रीय संगीत आधारित गीत, "मोसे छल किए जाए" में उन्होंने तबला बजाया था। वर्ष 1967 में उन्होंने हरिप्रसाद चौरसिया के साथ जोड़ी बनाई बाद में दोनों शिव-हरि के नाम से फिल्मों में संगीत देने लगे। इसकी शुरुआत सिलसिला (1981) से हुई। बाद में इस जोड़ी ने फासले (1985), चांदनी (1989), लम्हे (1991) और डर (1993) जैसी कई हिट फिल्मों के लिये संगीत दिया, जो बेहद लोकप्रिय हुआ।

13 मई को दोपहर बाद शुरू होगा कांग्रेस का चिंतन शिविर

हवाई जहाज से आएंगी सोनिया गांधी, रेल से पहुंचेगे राहुल

जयपुर, 10 मई (का.प्र.)। कांग्रेस पार्टी का नव संकल्प शिविर 13से लेकर 15 मई तक आयोजित होगा, जिसमें प्रमुख तौर पर 6 बिंदुओं पर पार्टी के नेता और पदाधिकारी चर्चा कर अपनी बात रखेंगे। इसके आधार पर पार्टी की आगामी रणनीति तैयार की जाएगी। शिविर में शामिल होने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी हवाई जहाज से तो राहुल गांधी ट्रेन से उदयपुर पहुंचेंगे। यह जानकारी राजस्थान के कांग्रेस प्रभारी अजय माकन ने दी।

शिविर की तैयारियों का जायजा लेने उदयपुर पहुंचे माकन ने बताया कि कांग्रेस के तीन दिवसीय चिंतन शिविर में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी 13 मई को सुबह उदयपुर पहुंचेंगे और दोपहर बाद शिविर का विधिपूर्वक आगाज होगा। माकन ने बताया कि इस तीन दिवसीय चिंतन बैठक में 400 से ज्यादा नेता शामिल होंगे। शिविर का नाम नव संकल्प शिविर रखा गया है। माकन ने बताया कि 13 मई से ही इस चिंतन बैठक की शुरुआत होगी, जिसमें अलग-अलग दिन अलग विर्श्रयों पर चर्चा होगी। ऐसे में 3 दिन की बैठक के आखिरी दिन पूरा एजेंडा वर्किंग कमेटी के सामने रखा जाएगा।

- **तीन दिन 6 बिंदुओं पर चर्चा करेंगे कांग्रेस नेता, अन्त में यह एजेण्डा सी. डब्ल्यु. सी. द्वारा पारित किया जायेगा।**

'पार्टी खड़ी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नरेन्द्र मोदी और प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान उनके उद्भव के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में किशोर ने महसूस किया कि विदेश नीति पर मोदी की पकड़ और विदेशों के प्रति भारत का दृष्टिकोण उनकी स्वयं की उपलब्धि रही है। जनता भी ऐसा महसूस करती है कि मोदी के कारण भारत की प्रतिष्ठा पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ रही है।

क्या ये धारणाएं जैसे कि विदेश नीति दृष्टिकोण किसी पार्टी की चुनावी संभावनाओं को बदलने में वास्तव में मायने रखती हैं? किशोर का मानना है कि अधिकांश लोग यह कह रहे हैं कि भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है और यह तथ्य उनकी छवि को परिलक्षित करता है। उन्होंने महसूस किया कि मोदी आर.एस.एस. प्रचारक से एक सामाजिक कार्यकर्ता और सीनियर राजनेता रहने के कई चरणों के दौरान बहुत परिपक्व हुए हैं।

किशोर ने वर्तमान में जिन नेताओं के साथ काम किया है उनमें से वह किसी को भी संयुक्त विपक्ष का मुख्य चेहरा नहीं मानते। उन्होंने माना कि कांग्रेस पार्टी भाजपा के लिए अब भी सबसे बड़ी चुनौती है। जब उनसे यह स्पष्ट करने को कहा गया कि भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती कौन है-कांग्रेस या आप, तो किशोर ने बिना पलक झपकाए जवाब दिया कि "वह कांग्रेस है ना कि आप।"

उन्होंने माना कि कांग्रेस की विफलता का कारण उसकी विचारधारा है। वह अब भी इसमें उलझी है कि वह सबसे अधिक समय तक सत्ता में रह चुकी पार्टी है तथा सबसे अच्छा शासन करना वही जानती है। कांग्रेस को एक बार फिर से प्रासंगिक बनने के लिए अपनी मनोस्थिति को बदलना होगा।

एक राजनीतिक रणनीतिकार के रूप में उन्होंने महसूस किया कि एक सफल राजनीतिक व चुनावी अभियान के लिए चार कानून महत्वपूर्ण है।

प्रथम जरूरत एक ऐसी सोच निर्मित करने की है जो जनता के फीडबैक पर आधारित हो। दिल्ली या पटना में बैठकर कोई भी यह नहीं जान सकता कि जनता के मन में क्या है। इसके लिए आपको लोगों के पास जाना होगा। उन्होंने जिक्र किया कि बिहार में प्रशासन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दा "पक्के नाले" का निर्माण है जबकि बंगाल में सबसे महत्वपूर्ण डिमांड जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करना है।

दूसरा कारक अपनी बात और संदेश को आगे पहुंचाने के लिए एक संदेशवाहक का होना है। यह संदेशवाहक ही चुनावी अभियान का चेहरा होता है। एक राजनेता तभी ऐसा कर सकता है जबकि वह विश्वस्त हो।

तीसरा है, मशीनरी जो कि संदेश को वोटों में तब्दील कर सके। यह चुनाव जीतने के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जन भावना को वोटों में तब्दील करने की मशीनरी के बिना कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता।

अंत में, चुनाव प्रचार के तरीके और उसके लिए किन उपकरणों का इस्तेमाल किया जाए। इसमें समूचे चुनाव प्रचार अभियान की रणनीतियां तय करना भी शामिल हैं।

कुल मिलाकर किशोर के खुले संवाद ने वह तरीका बताया जिसके तहत उन्होंने राजनेताओं के साथ काम किया था और अब वे स्वयं के लिए काम करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि वह समान विचारधारा वाले लोगों के साथ सर्वानुमति बनाकर बिहार के लिए काम करेंगे और वे लोग बिहार में बदलाव लाने के लिए एकजुट होने पर सहमत होंगे। वे अपनी राजनीतिक पारी शुरू करने के लिए बिहार की ओर देख रहे हैं।

'मेरा पुलिस प्रशासन से गंभीर प्रश्न है कि रोहित जोशी मामले में एफ.आई.आर. राजस्थान पुलिस ने क्यों नहीं दर्ज की?'

कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने लिखा कि, राजस्थान पुलिस को पीड़िता व उसके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध करवानी चाहिए तथा पुलिस को त्वरित एक्शन लेना चाहिए था

जयपुर, 10 मई (का.प्र.)। राजस्थान के जलदाय मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी के खिलाफ दिल्ली के सदर बाजार थाने में रेप का केस दर्ज होने के बाद ओसियां से कांग्रेस विधायक एवं पूर्व जलदाय मंत्री महिपाल मदेरणा की बेटी दिव्या मदेरणा ट्विटर पर राजस्थान पुलिस पर सवाल उठाते हुए रोहित जोशी के खिलाफ और पीड़िता के पक्ष में उतरी है। दिव्या मदेरणा ने चार ट्वीट कर राजस्थान पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है तथा पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है। उन्होंने राजस्थान में केस दर्ज नहीं करने पर भी सवाल उठाए हैं।

दिव्या मदेरणा ने अपने ट्वीट में राजस्थान पुलिस को टैग करते हुए लिखा है कि "राजस्थान सरकार ने 1 जून 2019 से थानों में मामला दर्ज नहीं करने पर एसपी ऑफिस में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने फरियादी का मामला दर्ज करने से मना करने पर संबंधित थानेदार के खिलाफ विभागीय जांच करने के भी निर्देश दिए थे। सदर बाजार थाने में दर्ज जीरो नंबर एफआईआर अभी जांच के अधीन है। मेरा पुलिस प्रशासन से गंभीर प्रश्न है कि यह एफआईआर राजस्थान पुलिस ने क्यों नहीं दर्ज की? दिव्या ने लिखा है कि एफआईआर दर्ज करने से मना करने वाले थानेदार के खिलाफ डीजीपी को तत्काल विभागीय जांच के आदेश देने चाहिए।"

एक अन्य ट्वीट में लिखा गया है कि डीजीपी और राजस्थान पुलिस को पीड़िता व उसके परिवार को उनके राजस्थान के पैतृक निवास पर सुरक्षा उपलब्ध करवानी चाहिए। हमारी सरकार बहुत संवेदनशील है, लेकिन पुलिस को त्वरित एक्शन लेना चाहिए। इस केस ने राजस्थान पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा के पिछले बजट सत्र के दौरान भी दिव्या मदेरणा ने जलदाय विभाग की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान मंत्री महेश जोशी को घेरते हुए क्षेत्र में पानी के कामों में भेदभाव बरतने और विधायक की राय नहीं लेने पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि जलदाय मंत्री महेश जोशी शहर से आते हैं, ग्रामीण क्षेत्र की पानी की समस्या जानते भी नहीं है। अफसर विभाग चला रहे हैं, मंत्री तो रबर स्टैंप हैं।

दरअसल दिव्या मदेरणा के महेश जोशी के बेटे के खिलाफ और पीड़िता के पक्ष में खड़े होने को अब जलदाय मंत्री पर उनकी ही पार्टी में बनाए जा रहे दबाव के रूप में देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि यदि कांग्रेस में ही इस तरह की आवाजें उठेंगी तो महेश जोशी पर इस्तीफा देने का दबाव बनेगा।

कहा यह भी जा रहा है कि कांग्रेस से जुड़े कुछ नेताओं ने इस पूरे मामले को लेकर आलाकमान को भी अवगत कराया है और कुछ सूचनाएं भेजी है। वैसे भी 13 मई से राजस्थान के उदयपुर में शुरू हो रहे कांग्रेस के चिंतन शिविर से पहले भाजपा भी इस मामले को बड़ा मुद्दा बना सकती है। ऐसे में कांग्रेस के नेताओं से चिंतन शिविर के दौरान भी इस मामले पर सवाल पूछे जा सकते हैं। ऐसे में देखना यह है कि क्या इस मामले को लेकर जलदाय मंत्री महेश जोशी इस्तीफे की पेशकश करते हैं या फिर मुख्यमंत्री उनसे इस्तीफा मांगते हैं।

- **'हमारी सरकार बहुत संवेदनशील है, लेकिन पुलिस को त्वरित एक्शन लेना चाहिए। इस केस ने राजस्थान पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।'**
- **पार्टी के अंदर बन रहा है, जलदाय मंत्री के इस्तीफे का दबाव।**

चार भारतीय पत्रकारों को मिला पुलित्ज़र पुरस्कार

न्यूयॉर्क, 10 मई (वार्ता)। पत्रकारिता के क्षेत्र में अमेरिका के सर्वोच्च सम्मान पुलित्ज़र पुरस्कार 2022 से चार भारतीयों को नवाज़ा गया है और इनमें अफगानिस्तान में पिछले साल सेना और तालिबान के बीच संघर्ष को कवर करने के दौरान मारे गये फोटोजर्नलिस्ट दानिश सिद्दीकी को भी शामिल किया गया है।

संगठन की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार सोमवार को घोषित पुरस्कारों मे चार भारतीय पत्रकारों अदनान, आबिदी, सना इरशाद माट्टो, अमित दवे और दानिश सिद्दीकी का नाम शामिल है। भारत में कोविड के कारण हुई तबाही पर लिखे गये लेखों के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सिद्दीकी पिछले साल अफगान सेना और तालिबान के बीच अफगानिस्तान में कंधार के स्पिन बोलदाक डिस्ट्रिक में हुई झड़पों को कवर करने के लिए भेजा गया था।

सिद्दीकी को इससे पहले रोहिंग्या समस्या को दिखाने के लिए 2018 में भी पुलित्ज़र पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

इसके साथ ही ब्रेकिंग न्यूज फोटोग्राफी का पुरस्कार लॉस एंजेल्स टाइम्स के मार्कस यान ने जीता। ब्रेकिंग न्जूज रिपोर्टिंग का पुरस्कार मियामी हेराल्ड ने जीता।

- **इनमें, अफगानिस्तान में सेना व तालिबान के बीच संघर्ष की रिपोर्टिंग के दौरान जान गंवाने वाले पत्रकार दानिश सिद्दीकी भी शामिल हैं।**

वीर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

असामाजिक तत्वों ने रात को चेहरे पर कालिख लगा दी। पुलिस के आला अधिकारियोंने मौके पर पहुंच मामला शांत करवाया। दोपहर तक गांव में शांति कायम रही।

4 बच्चे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सूरसागर थानाधिकारी गौतम डोटासरा ने बताया कि मंगलवार की सुबह आठ नौ बजे के बीच सूचना मिली कि काली बेरी की पत्थर की खान में भरे पानी के बाहर कुछ बच्चों के जूते व कपड़े पड़े हैं।

बच्चों की डूबने की आशंका के बीच गोताखोरों को बुलाया गया। एक बच्चे का शव पानी में पहले दिखाई दे गया था। इस बीच बच्चों के परिवार के लोग भी जमा हो गए।

सोमवार की दोपहर में निकले थे बच्चें : थानाधिकारी डोटासरा ने बताया कि बच्चें सोमवार की दोपहर से निकले हुए थे। परिवार के लोग मोहल्ले में चल रही एक शादी समारोह में व्यस्त थे। इस बीच वे कब घर से निकले उन्हें पता नहीं चला। आज सुबह एक शव पानी में नजर आने पर अन्य की तलाश की गई। इनकी पहचान पूनमचंद, युवराज पुत्रान रमेश भील एवं टीकम - गोपाल पुत्रान गोविंद भील के रूप में की गई है।

चीन की "वैक्सीन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अग्रणी बन गया था। बीजिंग ने दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और दक्षिण अमेरिका जैसे क्षेत्रों में बड़ी तत्परता से वैक्सीन डोज़ सप्लायी किए और चीन की तीनों फार्मा कम्पनियों ने दिसम्बर 2020 से मार्च 2021 तक फायज़र कम्पनी से अधिक वैक्सीन्स निर्यात की।

यह फेज़ आंशिक था क्योंकि विकासशील देशों के लिए चीन निर्मित वैक्सीन्स ही एकमात्र विकल्प थी और अमेरिका तथा यूरोप के देशों ने बड़ी संख्या में वैक्सीन के डोज़ अपने खुद के नागरिकों के लिए सुरक्षित कर रखे थे। जहां तक बात निर्यात की है तो फायज़र कम्पनी निर्मित वैक्सीन ने चीन की वैक्सीन्स को पीछे छोड़ दिया था, लेकिन सितम्बर 2021 में चीन की वैक्सीन्स फिर से शीर्ष पर आ गईं। चीन के राष्ट्रपति शी जिंनपिंग ने शेखी बघारते हुए कहा था कि उनका देश कोविड-19 के विरूद्ध वैश्विक लड़ाई में अपना योगदान दे रहा है, लेकिन यह गतिशीलता अधिक समय तक नहीं रही।

बसंत ऋतु के बाद से ओमिक्रॉन वेरिएंट का तेजी से प्रसार एक बड़ा कारक रहा है, जैसा कि चीन के स्वास्थ्य अधिकारी भी मानते हैं कि चीनी वैक्सीन्स ओमिक्रॉन के विरूद्ध इतना असरकारक नहीं रही हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग व अन्य द्वारा मार्च में प्रकाशित एक पेपर में 4 हजार 4 सौ लोगों के बारे में एक अध्ययन है। ये लोग हांगकांग में वैक्सीन के दो डोज़ लगवाने के बाद संक्रमित हो गए थे। अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों के सिनोवैक वैक्सीन लगी थी वे फायज़र वैक्सीन की तुलना में तीन गुना अधिक संक्रमित हुए थे।

विशेषज्ञों का कहना है कि इनऐक्टिवेटेड वैक्सीनें, जो चीन उत्पादित वैक्सीनों का बहुत बड़ा हिस्सा है, नवीनतर एम.आर.एन.ए. तकनीक पर आधारित वैक्सीनों की माँग में कमी आ रही है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के "अवर वर्ल्ड इन डाटा प्रोजेक्ट" के अनुसार, इस समय 1.05 करोड़ खुराकें रोजाना दी जा रही हैं, जो पिछले साल के अंतिम दिनों में दी जाने वाली खुराकां से 71 प्रतिशत कम हैं।

"एयरफिनिटी" के मुख्य विश्लेषक मैट लिनली का कहना है, "चूँकि ओमिक्रॉन वैरिएंटों के कारण ज्यादा गंभीर बीमारी नहीं फैल रही, इसलिये लोग ज्यादा खुराकों के पीछे नहीं भाग रहे हैं।" फिर भी चीनी वैक्सीन क निर्यात में गिरावट आश्चर्यजनक है। चीन में वैक्सीनेशन की दर बहुत ऊँची है, इसलिये ऐसा नहीं है कि उसके पास निर्यात के लिये पर्याप्त वैक्सीन नहीं हैं।

अब चीन के अलावा, अन्य एशियाई देशों में नये संक्रमण कम होते जा रहे हैं। चीन के शंघाई जैसे नगरों में, सूचनाओं के अनुसार यह बीमारी बहुत फैल रही है। डालियान के एक युवक जिसकी उम्र 30 वर्ष से कम ही होगी, ने कहा, "इसका एक कारण तो यह है कि चीन मुख्य क्षेत्र में, केवल घरेलू वैक्सीनों, जो कम असररदार हैं, को ही अनुमोदन मिला है।

ताईवान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जरूरी मानती थी, उसने क्वारंटीन के दिन भी अब कम दिये हैं तथा लोग अब अपने नजदीकी सम्पर्कों को मानने एवं निभाने लगे हैं।

यह परिवर्तन इस साक्ष्य की स्वीकृति का परिचायक है कि अत्यधिक संक्रमण वाला ऑमिक्रॉन वैरिएन्ट, पहले वाले वायरसों की तुलना में कम घातक है। अब तक हुये नये संक्रमणों मे से 99.7 प्रतिशत से ज्यादा संक्रमण मध्यम दर्जे के तथा असिम्प्टोमैटिक रहे हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908